



जरा सोचिए नए माहौल में सोना पड़े तो क्या होगा, अजनबी आवाजों और अलग माहौल की वजह से आप रात भर करवटें बदलते रहेंगे। कुत्ते भी ऐसे ही होते हैं, अगर उन्हें किसी अनजान जगह ले जाएं तो वो सो नहीं पाते। हंगरी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक शोध किया, यह पता लगाने के लिए कि क्या यह बात भेड़ियों पर भी लागू होती है? शोधकर्ताओं को कुछ आश्चर्यजनक भिन्नताएं पता चलीं। शोध के लेखक, हंगरी की इओटवोस लोरेड युनिवर्सिटी की विविअन राइकर ने कहा कि, "कुत्ते इंसान के साथ उद्विकास का इतिहास और सामाजिक पर्यावरण साझा करते हैं, उनके सोने के लक्षणों की भेड़ियों से, जो कुत्ते के निकटतम सम्बंधी हैं, तुलना करने से, पालतू बनाने और इंसान के साथ रहने के, कुत्तों की नींद पर हुए प्रभाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकता।" विविअन राइकर कहती हैं कि, विभिन्न प्रजातियों के जानवरों की नींद का अध्ययन करने से हमें नींद के फायदों और उन्हें प्रभावित करने वाले कारकों को समझने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने परिवारों में पले 20 कुत्तों और इंसान द्वारा पाले गए 7 भेड़ियों पर यह शोध किया। शोधकर्ताओं ने कुत्तों और भेड़ियों की नींद में रोचक अंतर देखे। उन्होंने पाया कि कुत्ते और भेड़िए समान अवधि तक ऊनींदे रहे। लेकिन प्रमुख अंतर यह था कि, भेड़ियों ने रैपिड आई मूवमेंट (आर.ई.एम.) स्लीप में कुत्तों से ज्यादा समय खर्च किया। आर.ई.एम. के दौरान सबसे ज्यादा सपने आते हैं, यह वो चरण है जब नींद गहरी होती है और यह चरण सीखने और याद रखने की क्षमता में अहम भूमिका निभाता है। राइकर ने कहा कि, वो कुत्ते, जिन्हें अक्सर घर के अलावा अन्यत्र सोने की आदत है, जब पहली बार स्लीप लैब में सोए तब उन्होंने नॉन आर.ई.एम. व आर.ई.एम. स्लीप स्टेज में जल्दी प्रवेश किया, उन कुत्तों की तुलना में जो घर के अलावा कहीं भी सोने के आदी नहीं थे। अर्थात् मालिकों के साथ अक्सर नई जगहों पर जाने के आदी कुत्तों की, सोने की नई जगह के प्रति प्रतिक्रिया कम थी, उन कुत्तों के मुकाबले जो सिर्फ घर में रहे थे। भेड़ियों का अध्ययन आसान था, क्योंकि सातों को मनुष्य ने पाला था और वो अपने आस-पास मनुष्यों की उपस्थिति के आदी थे। राइकर ने कहा कि, जो भेड़िए इंसान के सामीप्य के आदी नहीं होते वो आमतौर पर मनुष्य के आने पर बहुत चिंतित और उत्तेजित हो जाते हैं। राइकर ने कहा, "युवा कुत्तों और भेड़ियों के स्लीप स्टेज का विस्तार काफी एक सा था, तथापि आर.ई.एम. स्लीप में बिताया गया समय, भेड़ियों के मुकाबले कुत्तों में कम था और बड़ी उम्र के जानवरों में यह अंतर और भी अधिक होता है।"

नए कोरोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई राजस्थान में

पिछले सप्ताह में नए संक्रमितों का दैनिक आंकड़ा आठ सौ से कम होकर चार सौ के नीचे आ गया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुरा प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। राज्य में पिछले सप्ताह में नए संक्रमितों का आंकड़ा आठ सौ से कम होकर चार सौ के नीचे आ गया है। इधर प्रदेश में रविवार को भी थोड़ी और गिरावट के बाद 338 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं साढ़े चार सौ से अधिक रोगी ठीक हुए हैं।

प्रदेश में रविवार को 20 जिलों में 338 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 393 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में अभी भी रोजाना सौ से ज्यादा नए संक्रमित मिल रहे हैं। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 118 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 36, अलवर में 33, उदयपुर में 21, जोधपुर में 20, नागौर व दौसा

- राज्य में रविवार को 338 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 393 रोगी पाए गए थे
- राजधानी जयपुर में अभी भी रोजाना सौ से अधिक नए मरीज मिले रहे हैं।

में 17-17, अजमेर में 15, भीलवाड़ा में 11, सिरोंही में 9, डूंगरपुर में 8, पाली में 7, चित्तौड़गढ़ में 5, बूंदी, जालौर व झालावाड़ में 4-4, बीकानेर व सीकर में 3-3, कोटा में 2 तथा बारां में एक नया संक्रमित मिला है।

प्रदेश में लगातार रिकवरी में सुधार होने से एक्टिव केस कम हो रहे हैं। रविवार को भी नए संक्रमितों से अधिक 453 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3231 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज अच्छी रिकवरी हुई

है। इस दौरान जिले में 246 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1050 रह गए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 338, अलवर में 275, जोधपुर में 210, दौसा में 159 और अजमेर में 120 लोगों का इलाज चल रहा है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में कोरोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9624 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को 37 स्थानों

पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 15 संक्रमित सांगानेर में मिले हैं। इसके अलावा जागतपुरा में 11, मालवीय नगर व सोड़ाला में 10, वैशाली नगर में 9, मानसरोवर में 8, बस्ती व तिलक नगर में 5-5, अजमेर रोड, बनीपार्क, दुर्गापुरा, कोटपूतली व सिरसी में 3-3, आदर्श नगर, झोटावाड़ा, खातीपुरा व मुरलीपुरा में 2-2 तथा आगरा रोड, बापू नगर, बनेड़ा, ब्रह्मपुरी, सी-स्क्रीम, चाकणू, चांदपोल, सिविल लाइन, दूदू, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, इमली फाटक, जवाहर नगर, कालवाड़ रोड, कालवाड़, महेश नगर, रामगंज, सिंधी कैम्प और टॉक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 3 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अत्याधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया जा चुका है। भारतीय वायु सेना के सामने यह पहली बार 2016 में प्रस्तुत किया गया था। सेना ने वर्ष 2021 में इसे अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही मिग-21 को बार-बार दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते रिटायर कर दिया है। अब भारत के पास तेजस, राफेल, मिग-29 और सुखोई नामक फाइटर जेट हैं।

तेजस फाइटर जेट की टेकनॉलोजी चीन, दक्षिण कोरिया और रूस से भी अधिक एडवांस्ड है।

इसको बनाने वाले हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) के प्रबंधन निदेशक आर माधवन के अनुसार तेजस फाइटर जेट ने अत्याधुनिक टेकनॉलोजी से लैस होने की वजह से ही चीन, रूस और दक्षिण कोरिया के फाइटर जेटों की ग्लोबल मार्केट को ड्राउन कर दिया है। यही वजह है कि मलेशिया ने भारत से 18 तेजस फाइटर खरीदने की इच्छा जताई है।

‘भारत 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जायेगा’

गांधीनगर, 28 अगस्त (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि भारत का लक्ष्य आगामी 25 वर्षों में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनना है और इसके लिए नवोन्मेषण एवं वैकल्पिक साधनों को हर संभव बढ़ावा दिया जाएगा।

मोदी ने यहां महात्मा मंदिर सभागार में मासुति सुजुकी के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी विनिर्माण संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भारत में जापान के राजदूत सातोशी सुजुकी, जापानी कंपनी सुजुकी मोटर्स के अधिकारी आदि मौजूद थे।

- प्र.मंत्री मोदी ने कहा कि, ई.वी. और रिन्यूएबल एनर्जी को एक मिशन के तौर पर चलाया जा रहा है।

मोदी ने यहां समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और भारत के लोगों के साथ सुजुकी का परिवारिक रिश्ता अब 40 वर्ष का हो गया है। आज एक और गुजरात में इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी के विनिर्माण के लिए एक विशाल संयंत्र का शिलान्यास हो रहा है साथ ही हरियाणा में नये कार विनिर्माण संयंत्र की शुरुआत भी हो रही है। ये विस्तार सुजुकी के लिए भविष्य को अपार

संभावनाओं का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि मासुति-सुजुकी की सफलता भारत-जापान की मजबूत साझेदारी का भी प्रतीक है। बीते आठ वर्षों में तो हम दोनों देशों के बीच ये रिश्ते नई ऊंचाइयों तक गए हैं। आज गुजरात-महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन से लेकर उत्तर प्रदेश में बनारस के रुद्राक्ष सेंटर तक, विकास की कितनी ही परियोजनाएं भारत-जापान दोस्ती का उदाहरण हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत एवं जापान के बीच बहुआयामी एवं जीवंत मित्रता के लिए जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को याद करते हुए कहा, इस दोस्ती की जब बात होती है, तो हर एक भारतवासी को हमारे मित्र पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे की याद जरूर आती है।

‘कठपुतली अध्यक्ष बना तो, कांग्रेस बर्बाद हो जायेगी’

जी-23 गुट के नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि, सिर्फ अध्यक्ष ही नहीं अन्य पदों पर भी चुनाव होने चाहिए

मुंबई, 28 अगस्त। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और जी-23 गुट के नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने अध्यक्ष पद को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कठपुतली अध्यक्ष बनाया गया तो कांग्रेस बच नहीं पाएगी। चव्हाण ने यह भी कहा कि सिर्फ अध्यक्ष पद नहीं, बल्कि सभी पदों के लिए चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बचाने के लिए अहम कदम उठाए जाने की जरूरत है और पिछली सीट पर बैठने

से काम नहीं होगा। बता दें कि जी-23 के नेता गुलाम नबी आजाद ने हाल ही में कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अगर राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं तो उनके ऊपर इतना दबाव क्यों डाला जा रहा है? गौरतलब है कि मल्लिकार्जुन खड्गे समेत कुछ पार्टी नेता लगातार बयान दे रहे हैं कि वह राहुल गांधी पर दबाव डालेंगे कि वह अध्यक्ष पद स्वीकार करें।

- महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने कहा कि, कांग्रेस को बचाने के लिए कई अहम कदम उठाने की जरूरत है।
- उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी अगर अध्यक्ष नहीं बनना चाहते तो उन पर दबाव डालने की क्या जरूरत है।

चव्हाण ने इन बयानों पर ही टिप्पणी की है। वहीं गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने

कहा कि जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर में तारिक हमीद

राजनाथ सिंह के जापान दौरे पर चीन की निगाहें टिकीं

चीन की मीडिया ने कहा है कि, इन बैठकों के जरिए चीन को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 28 अगस्त। सीमा पर तनाव के बीच दूसरे देशों से बन रहे भारत के रिश्तों पर चीन करीबी नजर रख रहा है। इसी कड़वी में मंगोलिया और जापान दौरे पर जा रहे भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पग-पग पर उसकी नजर रहेगी। चीन से आ रहे बयानों से स्पष्ट है कि वह भारत-जापान के बीच बढ़ती दोस्ती का बिल्कुल भी हिमायती नहीं है। बता दें कि भारत और जापान के बीच 8 सितंबर को टू प्लस टू की दूसरे राउंड की वार्ता होने वाली है। इसमें भारत और जापान के विदेश व रक्षा मंत्रों शामिल होंगे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगोलिया के दो दिवसीय दौरे पर जाने वाले हैं। 6 सितंबर को होने वाले इस मीटिंग में राजनाथ सिंह की वहां के राष्ट्रपति से मुलाकात होगी। इसके अलावा मंगोलियन राष्ट्रपति ने राजनाथ सिंह के सम्मान में भोज का भी आयोजन किया है।

भारतीय रक्षामंत्री के जापान दौरे से पहले चीन की सरकारी मीडिया ने भी बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि उच्च स्तरीय बैठक की आड़ में इन दोनों देशों को किसी तीसरे देश को निशाना नहीं बनना चाहिए। एक चीनी ऑब्ज़र्वर ने सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स से कहा कि बीते कुछ साल में भारत और जापान के बीच

- राजनाथ सिंह 7 सितंबर को टोक्यो पहुंचेंगे, जहां उनकी जापान के प्रधानमंत्री कीशीदा फूमियो से भी मुलाकात हो सकती है।

नजदीकी बढ़ी है। खासतौर पर पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के कार्यकाल में यह ज्यादा देखने को मिला था। इसके पीछे क्षेत्र में चीन के शांतिपूर्ण विकास को रोकने का मकसद हो सकता है। वहीं सिंघुआ यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान के शोध विभाग के निदेशक वनेन फेंग ने कहा कि सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव के बाद भारत में कुछ संकीर्ण मानसिकता के लोग चीन को सुरक्षा के लिए चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ही भारतीय अमेरिका और जापान के साथ दोस्ती को बढ़ावा देते हैं। इसके पीछे उनका मकसद चीन पर नियंत्रण रखना होता है। चीन को इससे सतर्क रहना चाहिए।

मंगोलिया के साथ बातचीत के दौरान यहां भारत के सौजन्य से बन रही रिफाइनरी पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह मंगोलिया का सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे 1.2 बिलियन

डॉलर की लागत से तैयार किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह रिफाइनरी 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगी। मंगोलिया के डोंगोबो प्रांत में इसके निर्माण के बाद यहां की 7.5 फीसदी जरूरतें पूरी हो सकेंगी। इसके अलावा राजनाथ सिंह छह सितंबर को एक साइबर सिक्वोरिटी सेंटर का भी उद्घाटन करेंगे। इस साइबर सिक्वोरिटी सेंटर को बनाने में भारत ने मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय की मदद की है।

साल 2015 में चीन के दौरे के बाद पीएम मोदी मंगोलिया पहुंचे थे तब दोनों देशों के बीच इसको लेकर एक एम.ओ.यू. पर दस्तखत हुए थे। इसके

मुताबिक भारत मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय के लिए साइबर सिक्वोरिटी ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करेगा। साथ ही इसके लिए लोगों को ट्रेनिंग भी देगा। मोदी के इस दौरे में ही भारत-मंगोलिया के द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने संबंधी बातें हुई थीं। भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मंगोलिया के रक्षा मंत्री गुरसेद सैखानबायार और पार्लियामेंट स्पीकर गोम्बोजव जांदास्तार से भी मिलेंगे। इसके बाद राजनाथ सिंह 7 सितंबर को टोक्यो के लिए रवाना होंगे। चीन और रूस के बाद मंगोलिया भारत को अपना तीसरा और आध्यात्मिक पड़ोसी मानता है।

भुज में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नारे लगाये। प्रधानमंत्री ने कार से उतरकर लोगों का अभिनंदन किया और हाथ भी मिलाए।

बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सुबह से खड़े हो कर इंतजार करते रहे और इस यादगार मौके को अपने मोबाइल फोनों में कैद किया। सुर्जों के अनुसार भुज चुनाव प्रचार दौरान के बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं सभी से हाथ मिलाते नजर आए मोदी। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए महिलाएं भी अधिक संख्या में पहुंचीं उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अपने सिर पर क्लश रखा हुआ था, साथ ही कुछ महिलाओं ने मोदी से हाथ भी मिलाया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहे। गुजरात चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के सभी बड़े नेता चुनाव प्रचार में लगे हैं। मोदी की भी इस राज्य में ताबडोड़ रैलियां चल रही हैं।

बाल्टिक सागर में 1 लाख टन रासायनिक हथियार होने की संभावना

ये रासायनिक हथियार द्वितीय विश्व युद्ध के समय से बाल्टिक सागर की तह में समाये हुए थे

वारसा, 9 अगस्त (वार्ता)। यूरोप में भीषण गर्मी के कारण तलाब व नदी और तालाब सूखने लगे हैं। इस बीच खबर है कि, बाल्टिक सागर सूखने के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन हथियार दिखने लगे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन रासायनिक हथियार अपरिहार्य जंग के कारण बाल्टिक सागर के तल में पड़े होने की आशंका जतायी गयी है जिससे कभी भी पर्यावरणीय आपदा का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

पोलिश समाचार पत्र गजेटा वायबोर्जा ने जानकारी दी। अखबार ने कहा कि बाल्टिक समुद्र तल पर डेर की गई खनिजों, बैरल और बमों की सही

- यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी के कारण बाल्टिक सागर का जलस्तर कम होने लगा है और अब इन रासायनिक हथियारों के ऊपर आ जाने से दिखने की आशंका है।

मात्रा का अनुमान लगाना मुश्किल है। फिर भी रासायनिक हथियारों का वजन 40,000 से 100,000 टन के बीच हो सकता है। गजेटा वायबोर्जा के अनुसार विचारधारा रासायनिक

हथियार मुख्य रूप से सरसों गैस के बैरल और विमानन बम और रासायनिक युद्ध एजेंटों, मुख्य रूप से सरसों और आर्सेनिक युद्ध खदानों हैं।

समाचार पत्र ने पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा किए गए एक अध्ययन के हवाले से कहा है कि एक सरसों गैस बम 70 मीटर (230 फीट) तक के दायरे में पानी को प्रदूषित कर सकता है, जिससे जनसंख्या और जीवों की मौत हो सकती है।

अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के विशेष रूप से बनाए गए त्रिपक्षीय हथियारों के निर्माण से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहले वर्षों में नाजी रासायनिक हथियारों को बाल्टिक सागर में दफनाया गया था।

कर्नाटक भाजपा में नया अध्यक्ष बनाने की राजनीति तेज हुई

येदियुरप्पा को कर्नाटक भाजपा की कमान दिये जाने की चर्चाएं जोरों पर हैं

बैंगलूरु, 28 अगस्त। कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कतील का कार्यकाल रविवार को खत्म हो रहा है। इसके साथ ही इस दक्षिणी राज्य में नए प्रदेश अध्यक्ष को चुनने के लिए पार्टी ने कवायद तेज कर दी है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा इन दिनों दिल्ली में ही मौजूद हैं। बीते कुछ समय में वह यहां पर पार्टी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष शामिल हैं। उम्मीद जताई जा रही

- कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए नया अध्यक्ष बनाने की कवायद भाजपा के लिए प्राथमिकता होगी।

है कि शुक्रवार तक भाजपा कर्नाटक के नए प्रदेश अध्यक्ष पर फैसला कर लेगी। प्रदेश में होने वाले चुनाव से पहले होने वाले इस बदलाव के साथ यह भी साबित हो जाएगा कि कर्नाटक में बी.एस.

येदियुरप्पा की कितनी चलने वाली है। कर्नाटक के एए भाजपा अध्यक्ष की रस में फिलहाल कई नाम शामिल हैं। इनमें येदियुरप्पा को पूर्व सहयोगी और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाने, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सी.टी. रवि, राज्य ऊर्जा मंत्री सुनील कुमार करकला और पूर्व राज्य मंत्री अरविंद लिंबावली के नाम शामिल हैं।

हालांकि येदियुरप्पा ने इस बात से इंकार किया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मीटिंग के वक्त कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष के बारे में चर्चा हुई है। लेकिन राज्य में अगले साल होने वाले

विधानसभा चुनाव को लेकर देखते हुए यह पार्टी के लिए बड़ी प्राथमिकता होगी। गौरतलब है कि हाल ही में येदियुरप्पा को फिर से भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड में शामिल किया गया है। ऐसे में उनके पास अपनी ताकत दिखाने का यह बड़ा मौका होगा। हाल-फिलहाल इस दक्षिणी राज्य में कतील के लिए माहौल अनुकूल नहीं रह गया है। भाजपा में अंदरखाने उनके

खिलाफ आवाज उठने लगी है। हालांकि यह भी कहा जाता है कि कतील को जब कतील ने कर्नाटक भाजपा की कमान संभाली थी तो उन्हें राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष का समर्थन था।

चीन की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

‘मध्य रेखा’ को पार किया था, जो ताइवान और चीन के बीच एक अनौपचारिक समुद्री सीमा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, पहचाने गए विमानों में से 10 ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा के पूर्वी भाग में उड़ गए थे। चीनी राष्ट्रवादी पार्टी (कुओमिंटॉंग) का गढ़ बनने के बाद ताइवान चीन से अलग हो गया, जिसे 1949 में एक गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी से हार का सामना करना पड़ा था। चीन और ताइवान ने 1978 के दशक के अंत में व्यापार और अनौपचारिक संपर्क फिर से बहाल किया।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष

नैन्सी पेलेसी की 2-3 अगस्त को ताइवान के दौरे के बाद ताइवान के आसपास स्थिति तनावपूर्ण हो गयी है। इस यात्रा के बाद 14 अगस्त को अमेरिकी सीनेटर एडवर्ड जे. मार्के के नेतृत्व में एक अन्य अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और 21 अगस्त को अमेरिकी राज्य इंडियाना के गवर्नर एरिक होलकोम्ब की यात्रा के बाद चीन ताइवान के पास सैन्य युद्धाभ्यास शुरू कर दिया।

इस्तीफा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
छठे नेता है जिन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है और आजाद के साथ गए हैं।